



कॉलेज गर्ल के साथ चुदाई के पल-2

“उसने कहा- मेरे पास शाम तक का समय है और मैं ये सारे पल तुम्हारी बाँहों में गुज़ारना चाहती हूँ। मानसी मुझे प्यार करने के लिए मचल रही थी.. वो बुरी तरह तड़प रही थी। ...”

Story By: vishal malhotra (vishalmalhotra)

Posted: Saturday, October 29th, 2016

Categories: [जवान लड़की](#)

Online version: [कॉलेज गर्ल के साथ चुदाई के पल-2](#)

कॉलेज गर्ल के साथ चुदाई के पल-2

अब तक आपने पढ़ा..

मानसी मुझसे मिलने की जिद पर अड़ गई तो मैंने उससे मिलने के हामी भर दी।

अब आगे..

हम दोनों उसके कॉलेज के पास मिले। मैं उसके लिए उपहार स्वरूप एक सुंदर सी कलाई की घड़ी ले गया। उसे वो घड़ी बहुत पसंद आई और हम फिर एक रेस्तरां में गए और कुछ नाश्ता-पानी किया।

वहाँ उसने कहा- मेरे पास शाम तक का समय है और मैं ये सारे पल तुम्हारी बाँहों में गुज़ारना चाहती हूँ।

मैं भी भावनाओं में बह गया.. लेकिन ऐसी कौन सी जगह हो सकती थी जहाँ मैं उसे 1-2 घंटे अपनी बाँहों में रख पाता? फिर थोड़ा सोचने के बाद मैंने एक रिक्शा किया और उससे कहा- हमें एक लम्बी ड्राइव पर ले चलो।

फिर हम दोनों निकल पड़े शहर के बाहर।

रिक्शा में बैठते ही मानसी मुझसे चिपक गई और मेरी गर्दन पर अपने होंठ छुआने लगी। मेरा लंड खड़ा होने लगा और मैंने उसे अपनी बाँहों में भर लिया।

मानसी मुझे प्यार करने के लिए मचल रही थी.. लेकिन हम जितना प्यार कर सकते थे रिक्शा में उतना मानसी के लिए काफी नहीं था। वो बुरी तरह तड़प रही थी।

मैंने उसे समझाया- हमारे रिश्ते की कोई मंजिल नहीं है।

मानसी बोली- तुम्हारे साथ बिताये यह पल मुझे जिंदगी भर के लिए तृप्त कर देंगे और मुझे इन पलों को जी लेने दो।

मैंने भी सोचा कि जब मानसी यह जानते हुए भी प्यार करने के लिए तैयार है कि हम दोनों हमेशा के लिए मिल नहीं सकते.. तो मैं भी इन पलों को अपनी यादों में बसा लेता हूँ।

फिर हम एक-दूसरे को किस करने लगे और हमारा चुम्बन काफी देर तक चला। रिक्शा हिचकोले खाते हुए बढ़ रहा था और हम अपने प्यार की मंजिल पाने के लिए आगे बढ़ रहे थे।

मानसी ने मेरा हाथ पकड़ के अपने चूचों पर रख दिया।

मैं भी एकदम उत्तेजित हो गया और उसके मम्मे मसलने लगा।

हमारी जीभ एक-दूसरे से मानो लड़ाई कर रही हों।

फिर मैंने उसकी गर्दन पे किस करना शुरू किया और मानसी के कान कतरने लगा.. जिससे वो एकदम गरम हो गई और उसने मेरे लंड को पैंट के ऊपर से पकड़ लिया।

मेरा लंड पहले से ही खड़ा था और उसके पकड़ने से और टाइट हो गया।

कुछ ही पलों में मेरा लंड दुखने लगा लेकिन हम इससे ज्यादा कुछ नहीं कर सकते थे।

लगभग दो घंटे रिक्शा में एक-दूसरे को प्यार करते हुए हम वापस अपने गंतव्य पहुँच गए।

थोड़ी दूर पहले मानसी ने फिर जिद की और कहा- मुझे तुम अपना लंड दिखाओ।

मैंने कहा- यह मुमकिन नहीं है।

फिर उसकी जिद्द के आगे मुझे झुकना पड़ा और मैंने ज़िप खोल कर अपना लंड बाहर

निकाला।

मानसी ने झट से मेरे लंड को पकड़ लिया और अपने मुँह में ले लिया।

मुझे सच में बहुत अच्छा लगा.. जब मानसी ने मेरा लंड चूसा।

लेकिन ये मानसी को मुझे बताने के लिए एक प्यार की कसौटी थी कि वो मुझसे कितना प्यार करती है।

फिर मैंने अपना लंड उसके मुँह से निकाल कर अपने पैट में डाल दिया।

रात को मानसी ने मुझसे चैट पर बात की और हर बार बस एक ही बात दुहराती रही कि मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूँ।

इसी तरह कुछ दिन गुजरे और दो हफ्तों बाद हमें मिलने का एक और मौका मिला।

इस बार उसने मुझसे वचन ले लिया था कि ऐसी जगह मिलेंगे जहाँ किसी बात का कोई डर न हो, तो इसके चलते मैंने अपने एक दोस्त के फ्लैट की चाभी ले ली थी।

मानसी ने अपना कॉलेज बंद करके मुझसे मिलने का प्लान बनाया था।

हम सुबह दस बजे मिले और सीधे मेरे दोस्त के फ्लैट पर गए, दोस्त पहले ही काम पर जा चुका था।

मैंने रास्ते में से एक जॉनसन बेबी आयल, कुछ फाइव स्टार चॉकलेट, शहद की बोतल और स्ट्रॉबेरीज ले ली थीं।

जैसे ही हम फ्लैट में घुसे.. अभी मैं दरवाज़ा बंद ही कर रहा था कि मानसी ने मुझे पीछे से जकड़ लिया और मेरी गर्दन और पीठ पे चुम्बनों की बौछार कर दी।

अचानक हुए इस हमले से मैं थोड़ा उचक गया.. लेकिन मैंने अपने आपको संभाला।

मैं घूमा और मानसी को बाँहों में लेकर उसके होंठों को चूसने लगा।

उसकी चूचियां मेरी छाती से चिपक गई थीं और उसके निप्पल मेरी छाती में गड़ रहे थे।
क्या बताऊँ दोस्तो.. वो फीलिंग एकदम अलग थी जो मैं शब्दों में बयान नहीं कर सकता।

मानसी ने शॉर्ट कुर्ती और जीन्स पहनी हुई थी और वो बेहद खूबसूरत लग रही थी।

बिल्कुल सिनेमा की एक्ट्रेस तब्बू की तरह। मानसी ने उछल कर अपने दोनों पैर मेरी कमर में डाल दिए और अपनी बाँहों को मेरी गर्दन में डाल कर मेरे ऊपर झूल गई।

हम किस किए जा रहे थे और हमारी जीभ ने आपस में लड़ाई शुरू कर दी थी।

कुछ मिनट तक हम इसी अवस्था में एक-दूसरे का मर्दन करते रहे। मेरे हाथ उसके कूल्हों को पकड़े हुए थे और उसकी गांड के दोनों गोलों को दबा रहे थे.. जिससे मानसी उतावली हो रही थी और उसका चुम्बन गहरा होता जा रहा था।

मैं भी कहाँ पीछे हटने वाला था और मैंने भी अपने होंठों को अलग करके उसके मुँह पर चुम्बनों की झड़ी लगा दी।

उसके कान कुतरते हुए उसकी गर्दन पर हल्के-हल्के से काटते हुए चूसना शुरू किया जिससे उसकी गर्दन पर निशान पड़ गए।

मानसी ने कहा- ऐसे निशान अन्दर मेरी चूचियों पर बनाओ.. लेकिन गर्दन पर नहीं।

मुझे उसकी बात सही लगी और मैंने उसे नीचे उतार कर उसके स्तनों को अपने हाथों में ले लिया और मसलने लगा।

मैंने उसकी चूचियों की घुंडी पकड़ कर मसल दिया।

वो थोड़ा सा चीखी.. लेकिन मैं बेसब्र हो रहा था।

इसी बीच मानसी ने मेरा लंड पकड़ कर सहलाना शुरू कर दिया था। अद्भुत अनुभूति थी.. जो हमें एक-दूसरे के जिस्म से खिलवाड़ करके मिल रही थी।

अब एक-एक करके हमारे कपड़े उतरते चले गए और कुछ ही पलों में हम दोनों पूरे नंगे हो गए। मानसी मेरे लंड को कभी सहला रही थी, तो कभी ऊपर-नीचे कर रही थी.. तो कभी मसल रही थी, जो मुझे चरम सीमा के पास ले जा रहा था।

मैंने भी मानसी की चूचियों से खेलते हुए उसकी टांगों के बीच में अपना हाथ डाल दिया और उसकी चूत को सहलाने लगा.. जिससे मानसी एक बार स्वलित होते-होते रह गई।

मैं नहीं चाहता था कि वो इतनी जल्दी झड़ जाए। फिर मैंने उससे अपनी बाँहों में उठाया और बेडरूम में ले गया। वहाँ उसे बिस्तर पर लिटा कर मैं बाहर आया और मैंने जो सामान खरीदा था.. वो बेडरूम में ले आया।

मानसी के बाजू में लेट कर मैं स्तनपान करने लगा.. जिससे मानसी 'आहें..' भरने लगी। मेरा एक हाथ उसके चूत की ओर फिसला और मैं फिर से उसकी चूत सहलाने लगा।

वो बहुत गर्म हो चुकी थी तो मैं भी देरी न करते हुए नीचे की ओर सरका और अपनी नाक से उसकी चूत के दाने को रगड़ने लगा।

मैंने उसकी चूत को चाटना शुरू कर दिया और मानसी मेरे इस हमले से अपनी गांड उठा-उठा कर साथ देने लगी।

फिर मैंने थैली में से फाइव स्टार चॉकलेट निकाली और कागज निकाल कर चॉकलेट को उसकी चूत में डालने लगा।

मानसी एकदम से गनगना उठी।

चॉकलेट को उसकी चूत में पूरी डाल के मैंने अपना मुँह उसकी चूत पर टिका दिया और

चाँकलेट मिश्रित उसके चूत के पानी को चाटने लगा.. जो कि उसकी चूत से बहने लगा था ।

मैंने उसकी चूत इतनी जोर से चूसी कि चाँकलेट मेरे मुँह में आ गई और मैंने धीरे-धीरे अपनी जीभ से चाँकलेट को फिर से अन्दर डाल दिया ।

इसी प्रकार मैं उसकी चूत से खेल रहा था और मानसी मस्ती से पागल हुई जा रही थी ।
इसी बीच उसने दो बार पानी भी छोड़ा.. जो मैं सारा चाट गया ।

मानसी बस एक ही बात बार-बार दोहरा रही थी- विशाल प्लीज.. मेरी चूत में अपना लंड डाल दो और मेरी सील तोड़ दो ।

लेकिन मैं मानसी को जन्नत की सैर करवाना चाहता था । मैंने तेल की बोतल निकाल कर उसके जिस्म पर ऊपर से नीचे तक उड़ेल दिया और उसके शरीर की मालिश करने लगा ।

इस दौरान मैंने अपने कपड़े भी उतार दिए थे और मैं उसके ऊपर आ कर अपने बदन को उसके बदन से रगड़ने लगा ।

दोस्तो, आप को भी यह ट्राई करना चाहिए.. इसमें बहुत मज़ा आता है ।

हमारे शरीर फिसलने लगे.. मेरा लंड उसकी बुर के पास रगड़ खा रहा था । मानसी ने अपना हाथ नीचे करके मेरे लंड को पकड़ा और सहलाने लगी ।

मैं भी पीछे हटने वाला नहीं था और मैंने उसकी चूचियों की घुंडी पकड़ी और अपने अंगूठे और उंगली के बीच में लेकर जोर से मसल दी ।

मानसी जोर से चिल्लाई और उसने मेरे लंड पर अपनी पकड़ मजबूत कर दी ।

मेरे दिमाग में एक आईडिया आया कि तेल तो पूरे शरीर पर लगा हुआ है और गांड के छेद भी तेल से भर चुकी है.. तो पहले गांड मार लेता हूँ.. इसकी बुर बाद में पेलूंगा ।

मैंने मानसी से घोड़ी बनने को कहा ।

मानसी झट से मान गई ।

उसे इस बात की भनक भी नहीं हुई कि मैं उसकी गांड की सील तोड़ने वाला हूँ ।

इसके बाद जो कुछ हुआ वो बड़ा ही मजेदार वाकिया था जिसे मैं अगले पार्ट में आप सब को बताऊँगा ।

आपके ईमेल के इन्तजार में आप सभी का विशाल मल्होत्रा

vishalmalhotra75@gmail.com

कहानी जारी है ।

Other stories you may be interested in

अपने ऑफिस वाले सर से होटल में चुद गयी

हैलो फ्रेंड्स, मेरा नाम नेहा है. मैं जॉब करती हूँ और शहर में रहती हूँ. मैं बहुत सेक्सी और बड़ी चूचियां और बड़ी गांड वाली काफी सुन्दर लड़की हूँ. मेरी जॉब बहुत अच्छी है, ये जॉब मुझे मेरे सेक्सी जिस्म [...]

[Full Story >>>](#)

पड़ोसन भाभी के हुस्न का भोग

नमस्कार दोस्तो, कैसे हो आप ? मेरा नाम देव कुमार है। मैं अन्तर्वासना की कहानियों का नियमित पाठक हूँ। मैं अन्तर्वासना से प्रेरित होकर अपनी आप बीती सुना रहा हूँ। मैं जयपुर का रहने वाला हूँ। मैं एक युवा रोमांटिक लड़का [...]

[Full Story >>>](#)

काम पिपासु को मिली काम ज्वाला-2

मेरी कामवासना भरी कहानी के पहले भाग काम पिपासु को मिली काम ज्वाला-1 में आप ने पढ़ा कि अपनी पत्नी की मृत्यु के बाद से मैं अपनी कामुकता को हस्तमैथुन से दबा रहा था, मुझे कोई चूत नहीं मिल रही [...]

[Full Story >>>](#)

बिंदास गर्लफ्रेंड के साथ बिंदास सेक्स

दोस्तो, मेरा नाम सोनू है, मैं पुणे के रहने वाला हूँ. मैं आज आपको मेरे जीवन की पहली चुदाई की कहानी बताने जा रहा हूँ. अन्तर्वासना पर यह मेरी पहली कहानी है. चूंकि मैं पहली बार लिख रहा हूँ तो [...]

[Full Story >>>](#)

बीपीएल राशनकार्ड बनवाने की फीस

हैलो दोस्तो, मेरा नाम अजय है. मैं उत्तर प्रदेश का रहने वाला हूँ. आज मैं आपके सामने अपनी अगली कहानी पेश कर रहा हूँ. ये कहानी किसी दूसरे लेखक/पाठक ने मुझे भेजी है. जिसने मुझे ये कहानी भेजी है, वो [...]

[Full Story >>>](#)

